प्रथम अध्यक्षता और भेंट करने वाला शिक्षा संदेश, जून 2013

प्रथम अध्यक्षता संदेश

गोल गोल घुमना

अध्यक्ष डिटयर एफ. उक्डोर्फ द्वारा

प्रथम अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार

क्या आपने पूरानी कहावत सुनी है कि वे लोग जो भटक जाते हैं गोल गोल चक्कर काटते रहते हैं ?

जैन एल. सूमैन, एक जर्मन मनोवैज्ञानिक, जानना चाहता था क्या इसमें कोई सच्चाई थी । इस प्रयोग के लिए वह भाग लेने वालों को एक विशाल जंगल में और सहारा रेगिस्तान में ले गया और भूमंडलीय स्थिति प्रणाली का उपयोग करके उनके मार्ग पर निगाह रखी । उनके पास को दिशासूचक या कोई अन्य यंत्र नहीं था । उनको दिए गए निर्देश सरल थेः बताई दिशा की सीधी रेखा में चलते जाना ।

डा. सूमैन ने बाद में बताया क्या हुआ था । ''उनमें से [कुछ] बादल वाले दिन चले थे, सूर्य बादलों के पीछे था [और दिशा का कोई अनुमान नहीं लग सकता] । ... [वे] गोल गोल चक्कर लगाते रहे, उनमें से [बहुत से] बार बार उसी मार्ग पर चलते जा रहे थे बिना उन्हें पता चले ।'' अन्य भाग लेने वाले उस समय चले जब सूर्य चमक रहा था, दूर तक सबकुछ साफ दिख रहा था ।''ये लोग ... लगभग एक सीधे मार्ग पर चल रहे थे ।'' 1

यही जांच दूसरों के साथ अन्य तरीकों से की गई । 2 सबके परिणाम एक समान थे ।

बिना प्रत्यक्ष सीमाचिन्ह के, इंसान गोल गोल चक्कर काटता रहता है ।

धर्मशास्त्रों के सीमाचिन्ह

बिना आत्मिक सीमाचिन्ह के, मानवजाति इसी प्रकार भटकती रहती है । बिना परमेश्वर के वचन के हम, गोल गोल चक्कर काटते रहते हैं ।

व्यक्तिगत और समाज दोनों रूप में, समय के आरंभ से हम बार बार इसका उदाहरण प्रत्येक प्रबंध में देखते आ रहे हैं । जब परमेश्वर के वचन हमारी दृष्टि से ओझल हो जाते हैं, हम खो जाते हैं ।

निसंदेह इस कारणवश प्रभु ने लेही को उसके बेटों को पीतल की पट्टियां लाने के लिए यरूशलेम वापस भेजने का आदेश दिया था । परमेश्वर जानता था कि लेही के वंशजों को भरोसेमंद सीमाचिन्ह की जरूर होगी---संदर्भ के बिंदू--जो उनका मार्गदर्शन करके बताएंगे कि वे सही मार्ग पर चल रहे थे ।

धर्मशास्त्र परमेश्वर के वचन हैं । वे सीमाचिन्ह हैं जो हमारे उद्धारकर्ता के निकट जाने और योग्य लक्ष्यों तक पहूंचने का यात्रा का सही मार्ग हमें दिखाते हैं ।

महा सम्मेलन का सीमाचिन्ह

महा सम्मेलन में दिए गए निर्देश अन्य सीमाचिन्ह हैं जो यह जानने में हमारी मदद कर सकते हैं कि हम सही मार्ग पर चल रहे हैं। अक्सर मैं अपने आप से पूछता हूं, ''क्या मैंने उन पुरूषों और स्त्रियों के शब्दों को सुना था जो उन्होंने गिरजे के हाल के महा सम्मेलन में बोले थे ? क्या मैंने उनके शब्दों को पढ़ा और बार-बार पढ़ा है ? क्या मैंने उन पर मनन किया और उन्हें अपने जीवन में लागू किया है ? या क्या मैंने सिर्फ अच्छी वार्ताओं का आनंद लिया और अपने निजी जीवन में उनके प्रेरित संदेशों को लागू करने में अनदेखी की है ?''

हो सकता है जब आप सुन रहे थे या पढ़ रहे थे, आपने एक या दो बातों को रेखांकित किया था । शायद आपने निर्णय लिया होगा कि आप कुछ बातों को बेहतर या भिन्न तरीकों से करोगे । पिछली महा सम्मेलन के संदेशों के बारे में सोचें । बहुतों ने हमें हमारे पारिवारिक संबंधों और विवाह में सुधार करने के लिए उत्साहित किया था । *लियाहोना* का यह अंक, हमारे जीवन को आशीषित करने के लिए कई व्यवहारिक अनुरोधों के साथ, अनंत मूल्यों पर केन्द्रीत है ।

क्या हम इस महत्वपूर्ण सलाह पर ध्यान दे रहे हैं और लागू कर रहे हैं ? क्या हम इन वास्तविक और महत्वपूर्ण सीमाचिन्ह को

पहचानते हैं और इनकी ओर चल रहे हैं ?

भटकने से बचाव

हमें सीधे और संकरें मार्ग में रखने के लिए आत्मिक सीमाचिन्ह अत्यावश्यक हैं । वे हमें उस मार्ग पर चलने का स्पष्ट निर्देश देते जिस पर हमें चलना चाहिए---लेकिन केवल तभी जब हम इन्हें पहचानते और उनकी ओर चलते हैं । यदि हम इन सीमाचिन्ह द्वारा मार्गदर्शन पाना अस्वीकार कर देते हैं, ये निरर्थक हो जाते हैं, एक दिखाने की वस्तु जिसका कोई उद्देश्य नहीं होता सिवाय जीवन की एक सरसता को तोड़ने के ।

केवल अपने ज्ञान के अनुसार चलना काफी नहीं है ।

मात्र बहुए अच्छी नियत होना काफी नहीं है ।

केवल अपनी प्राकृतिक समझ पर भरोसा करने से कुछ नहीं होगा ।

यहां तक कि जब हम सोचते हैं हम सीधे आत्मिक मार्ग पर चल रहे हैं, हमारा मार्गदर्शन करने के लिए बिना सच्चे सीमाचिन्हों के---बिना आत्मा के मार्गदर्शन के---हम भटक सकते हैं ।

इसलिए, आओ हम, अपनी आंखों को खोलें और उन सीमाचिन्हों को देखें जो हमारे दयालु पिता ने अपने बच्चों के लिए उपलब्ध कराए हैं । आओ हम परमेश्वरक के वचन को पढ़ें, सुनें, और लागू करें । आओ हम सच्ची इच्छा से प्रार्थना करें और आत्मा की प्रेरणाओं को सुनें और पालन करें । एक बार जब हम अपने स्वर्गीय पिता द्वारा दिए गए इन दिव्य सीमाचिन्हों को पहचान लेते हैं, हमें इनके अनुसार अपना मार्ग नियत कर लेना चाहिए । हमें निरंतर अपने मार्ग को ठीक भी करते रहना चाहिए जब हम इन आत्मिक सीमाचिन्हों की ओर चलते हैं ।

इस प्रकार, हम गोल गोल चक्कर नहीं काटेंगे बल्कि आत्मविश्वास और निश्चितता के साथ उस स्वर्गीय आशीष को चलेंगे जोकि उन सबों का जन्मसिद्ध अधिकार है जो मसीह की शिष्यता के द्वारा सीधे और संकरे मार्ग पर चलते हैं ।

विवरण

1. Jan L. Souman and others, "Walking in Circles," *Current Biology* 19 (Sept. 29, 2009), 1538, cell.com/current-biology/issue?pii=S0960-9822(09)X0019-9 देखें ।

2. उदाहरण के लिए "A Mystery: Why Can't We Walk Straight?" npr.org/blogs/krulwich/2011/06/01/131050832/a-mystery-why-can-t-we-walk-straight देखें ।

इस संदेश से शिक्षा

जब आप इस संदेश से शिक्षा देने की तैयारी करते हो, उन लोगों के उदाहरणों के लिए धर्मशास्त्रों में खोज कर सकते हो जिनका मार्गदर्शन आत्मिक सीमाचिन्हों द्वारा किया गया था या वे लोग जो गोल गोल भटकते रहे थे । आप अपना अध्ययन इन धर्मशास्त्रों से आरंभ कर सकते होः गिनती 14:26–33; 1 नफी 16:28–29; अलमा 37:38–47 । यदि आपको प्रेरणा मिलती है, आप इन उदाहरणों से उनके साथ ज्ञान बांट सकते हैं जिन्हें आप सीखा रहे हैं ।

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन

अध्यक्ष उक्डोर्फ महा सम्मेलन और धर्मशास्त्रों की उन सीमाचिन्हों के रूप में व्याख्या करते हैं जो अत्मिक रूप से भटकने से बचने में मदद कर सकते हैं । अन्य आत्मिक सीमाचिन्हों का मनन करें जिसने आपके जीवन को प्रभावित और मार्गदर्शन किया है । अपने अनुभव को अपनी दैनिकी में लिखें । अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन के उद्धरण आपकी मदद कर सकते हैं :

''आपकी कुलपति की आशीषें अंधकारतम रातों में आपका मार्गदर्शन करेंगी । यह जीवन के खतरों में आपका मार्गदर्शन करेंगी । … आपकी आशीषें अच्छी तरह से तह लगाने और रखने के लिए नहीं हैं । यह फ्रेम करके रखने या प्रकाशित करने के लिए नहीं है । असल में, यह पढ़ने के लिए है । इससे प्रेम किया जाना चाहिए । इसका अनुसरण किया जाना चाहिए ।''

"Your Patriarchal Blessing: A Liahona of Light," *Ensign,* नव. 1986, 66 ।

''हमारा स्वर्गीय पिता ने हमें अनंत यात्रा बिना साधनों के नहीं भेजा है ताकि हम सुरक्षित वापस लौटने के लिए उससे मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें । मैं प्रार्थना के विषय में बोलता हूं । मैं शांत हल्की आवाज की प्रेरणाओं के विषय में भी बोलता हूं ।''

''The Race of Life," *Liahona,* मई 2012, 92 ।

अध्यक्ष उक्डोर्फ कहते हैं कि हमें आत्मिक सीमाचिन्हों के पीछे चलना चाहिए क्योंकि ये हमें सही चुनने और उद्धारकर्ता के निकट जाने में मदद करते हैं । इन सीमाचिन्हों में से कुछ हैं प्रार्थना, धर्मशास्त्र, महा सम्मेलन, और *लियाहोना* ।

अपने परिवार के साथ, पिछले महा सम्मेल की एक वार्ता पढ़ें । वार्ताकार सही मार्ग पर रहने के लिए हमें क्या सुझाव देता है ? अपने परिवार के साथ उसे लागू करने का लक्ष्य बनाएं जो आपने सीखा है ।

© 2012 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/12 । अनुवाद अनुमतिः 6/12 । First Presidency Message, June 2013 का अनुवाद । Hindi । 10666 294

भेंट करने वाला शिक्षा संदेश

पारिवारिक इतिहास में आनंद

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिन से आप भेंट करती हैं । अपनी बहनों को मजबूत करने और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें । अधिक जानकारी के लिए, **reliefsociety.lds.org** पर जाएं ।

बारह प्रेरितों की परिषद के एल्डर रसल एम. नेलसन ने सीखाया है कि एलिजा की आत्मा ''परिवार की दिव्य प्रकृति की पवित्र अ ात्मा की गवाही का उदाहरण है ।'' 1

पुनास्थापित गिरजे के सदस्यों के रूप में, हमारे पास अपने पूर्वजों को खोजने और उनके लिए सुसमाचार के बचाने वाली धर्मविधि यां करने की अनुबंधित जिम्मेदारी है । वे हमारे बिना परिपूर्ण नहीं हो सकते हैं'' (इब्रानियों 11:40), और ''न ही हम उनके ि बना परिपूर्ण हो सकते हैं'' (सिऔरअनु 128:15) ।

पारिवारिक इतिहास कार्य हमें अनंत जीवन की आशीषों के लिए तैयार करता है और हमारे विश्वास और व्यक्तिगत धार्मिकता को बढ़ाने में हमारी मदद करता है । पारिवारिक इतिहास गिरजे के मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और सभी के लिए उद्धार और उत्कर्ष के कार्य को संभव करता है ।

अध्यक्ष बोएड के. पैकर, बारह प्रेरितों की परिषद के अध्यक्ष ने कहा हैः ''जब हम अपने वंश की खोज करते हैं तो हम मात्र नाम जानने से अधिक कार्य करते हैं । ... हमारी इच्छा हमारे हृदयों को हमारे पूर्वजों की ओर मोड़ती है---हम उन्हें खोजने और उन्हें जानने और उनकी सेवा करने का प्रयास करते हैं ।'' 2

धर्मशास्त्रों से

मलाकी 4:5–6; 1 कुरिन्थियों 15:29; सिऔरअनु 124:28–36; 128:15

हमारे इतिहास से

भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने सीखाया था, ''इस संसार में महानत्तम जिम्मेदारी जो परमेश्वर हमें दे सकता है वह है हमारे मृतकों की खोज करना ।'' 3 हम मंदिर में अपने मृतकों की आवश्यक धर्मविधियों को करने के लिए उनके प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकते हैं ।

इलिनोए, नावू की सैली रैनडल, जिसका 14 वर्ष का बेटा मर गया था, को अनंत परिवार के वादे से बहुत दिलासा मिली थी । उसके पति द्वारा उनके बेटे के स्थान पर बपतिस्मा लेने के बाद, उसने अपने रिश्तेदारों को लिखा थाः ''यह कितनी महिमापूर्ण बात है कि हम ... अपने सभी मृतकों [पूर्वजों] के लिए बपतिस्मा ले सकते हैं और उन्हें बचा सकते हैं उनकी किसी भी सूचना को प्राप्त कर के । '' फिर उसने अपने रिश्तेदारों को उनके पूर्वजों की सूचना भेजने के लिए कहा, ''[अपने परिवार] को बचाने के लिए मैं वह सब करना चाहती हूं जो मैं कर सकती हूं ।''4

विवरण

1. Russell M. Nelson, "A New Harvest Time," *Liahona,* जुलाई 1998, 34 ।
2. Boyd K. Packer, "Your Family History: Getting Started," *Liahona,* नव. 2011, 17।
3. *Teachings of Presidents of the Church: Joseph Smith* (2007), 475 ।
4. देखें *Daughters in My Kingdom: The History and Work of Relief Society* (2011), 20–21 ।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. जिन बहनों की मैं देखभाल करती हूं उन्हें मैं पारिवारिक इतिहास में कैसे मदद दे सकती हूं ?

2. क्या मैं अपनी व्यक्तिगत इतिहास को लिख रही हूं ?

© 2012 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/12 । अनुवाद अनुमतिः 6/12 ।
Visiting Teaching Message, June 2013 का अनुवाद । Hindi । 10666 294